खबर संक्षेप

148 वीं बटालियन केन्द्रीय पुलिस बल मुख्यालय में योगाभ्यास कार्यक्रम

मण्डला। 148 वीं बटालियन सीआरपीएफ केम्प मण्डला में सोमवार को जिला आयुष कार्यालय मंडला के सहयोग से 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित 50 दिवसीय काउन्टडाउन हेतु चार दिवसीय योगाम्यास कार्यक्रम की शुरुआत की गई। योग के सामान्य अभ्यास क्रम प्रोटोकॉल के अंतर्गत योगाभ्यास की शुरुआत सूक्ष्म व्यायाम से की गई।ततपश्चात खड़े होकर किए जाने वाले आसनों में ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटिचक्रासन, पाद हस्तासन, पार्श्व उत्तानासन एवं लेटकर किए जाने वालों आसनों में धनुरासन, शलभासन, नौकासन, सर्वांगासन, प्राणायाम के अंतर्गत अनुलोम-विलोम, भ्रामरी व ओम उच्चारण के साथ योग व्यायाम किया गया। कार्यक्रम में 148 वीं बटालियन कमांडेंट विक्रांत सारंगपाणि, उप कमांडेंट मनोरंजन कुमार, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रियंका धुर्वे, डॉ एकता वाल्को, औषधि संयोजक विश्व दीपक चंद्रौल, 148 वीं बटालियन के अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने मिलकर बटालियन मुख्यालय प्रांगण में योग अभ्यास किया।

आनंद राय व अमित सिहारे और अफसर खान और मनीष मोदी की जोड़ी रही विजेता

जूनियर वर्ग में दिव्यांक और आदर्श का जलवा

*** जी एच रायसोनी स्मृति जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

रविवार की शाम मंडला जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वाधान में जी एच रायसोनी स्मृति तीन दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन हुआ। स्थानीय इनडोर स्टेडियम (ऑडिटोरियम) में खेली गई इस प्रतियोगिता के तीसरे व अंतिम दिन वेटरन्स ग्रुप के शानदार मुकाबले खेले गए। पुरुस्कार वितरण के दौरान जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी विकास खराडकर विशेष रूप से उपस्थित थे। समापन समारोह के दौरान मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के सह सचिव चंद्रेश खरे ने मंडला जिला बैडमिंटन एसोसिएशन की अनुशंसा व मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की सहमति से एडवोकेट आंनद राय को मंडला जिला बैडमिंटन एसोसिएशन का कार्यकारी अध्यक्ष घोषित किया। इसके साथ ही उन्होंने 16 अगस्त 2026 से मंडला बैडमिंटन लीग कराने की भी घोषणा करते हुए बैडमिंटन खिलाडियों से अभी से इसकी तैयारियों में जुट जाने का आवाहन किया। समापन समारोह के दौरान जी एच रायसोनी स्मृति तीन दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता खिलाडियों नगद राशि, मैडल, ट्रॉफी व सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

जी एच रायसोनी स्मृति तीन दिवसीय जिला स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के 11 वर्ष से कम आयु वर्ग बालक एकल मुकाबले में अनय पटेल विजेता बने जबकि अनंत सिंह उपविजेता रहे। 13 वर्ष से कम आयु वर्ग बालक एकल के विजेता रहे राघव राजपूत व उपविजेता रहे काव्य। 15 वर्ष से कम आयु वर्ग बालक एकल में प्रबुद्ध शर्मा विजेता व आनंद शुक्ला उपविजेता रहे। 15 वर्ष से कम आयु वर्ग बालिका एकल में मानवी विजेता व काव्यया उपविजेता बनी। 19 वर्ष से कम आयु वर्ग बालक एकल में शानदार मुकाबला देखने को मिला। इस वर्ग में दिव्यांक श्रीवास्तव विजेता बने जबकि वरुण श्रीवास्तव उपविजेता। अंडर 19 बालक युगल मुकाबले का ख़िताब दिव्यांक श्रीवास्तव और आदर्श सोनी की जोड़ी ने हासिल किया। दिव्यांक श्रीवास्तव और आदर्श सोनी की जोड़ी ने फाइनल में अफ्फान खान और योगेश नंदा को शिकस्त देकर ट्रॉफी पर कब्ज़ा किया। सीनियर वर्ग के पुरुष एकल का ख़िताब मृदुल भिरयानी ने हासिल किया। इस वर्ग में दिव्यांक श्रीवास्तव उपविजेता रहे। पुरुष युगल मुकाबले में मानस चौरसिया और मृदुल भिरयानी की जोड़ी विजेता रही जबकि तुषार चावला और यश तलरेजा की जोड़ी उपविजेता रही। वेटरन्स वर्ग के 35 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के युगल मुकाबले में आनंद राय और अमित सिहारे की जोड़ी चैंपियन बनी। इस वर्ग में चंद्रेश खरे और नीलेश राय की जोड़ी उपविजेता रही। 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में अफसर खान और मनीष मोदी की जोड़ी ने ख़िताब अपने नाम किया। इस वर्ग में आनंद राय और राघवेंद्र उपाध्याय की जोड़ी उपविजेता रही।

होटल और लॉजों की सघन जांच, सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं एसडीओपी पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली एवं महाराजपुर पुलिस द्वारा जिले में अपराध नियंत्रण, संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से होटल एवं लॉजों की लगातार सघन चैकिंग की जा रही है। अभियान के तहत पुलिस टीमों ने विभिन्न होटल एवं लॉजों में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जांच के दौरान होटल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना वैध पहचान पत्र, जिसमें व्यक्ति का चेहरा स्पष्ट न दिखाई दे, ऐसे किसी भी व्यक्ति को कमरा उपलब्ध न कराया जाए। साथ ही होटल रजिस्टर में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं पहचान संबंधी जानकारी अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने होटल संचालकों को यह भी समझाइश दी कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या डायल 112 पर दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। पुलिस द्वारा जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी और चैकिंग अभियान जारी रखा जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के काम समय पर पूरे हों

मण्डला। जल गंगा संवर्धन अभियान में बलराम तालाब, खेत तालाब और अमृत सरोवर के काम समय पर पूरे करने के कलेक्टर ने निर्देश दिए। स्कूल शिक्षा और एमएसएमई विभाग को रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का लक्ष्य पूरा करने को कहा। बैठक में जनगणना 2027, सीएम मॉनिट, सीएस मॉनिट, पीडीएस वितरण, कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन, वर्षा पूर्व तैयारी, ड्रॉप आउट बच्चे, पुस्तक वितरण, लखपति दीदी, वृंदावन ग्राम, नरवाई प्रबंधन, कूम्हा से इंदलटोला पीएम सड़क के लिए भूमि आवंटन सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

आरोह-2026 बना बच्चों के सपनों का उत्सव, लगभग 2000 खिलाड़ी ले रहे 20 खेलों का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले में खेल और फिटनेस का महासंगम आरोह-2026 ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर इन दिनों बच्चों और अभिभावकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा मस्ती की पाठशाला थीम पर आयोजित यह शिविर अब सिर्फ प्रशिक्षण नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों, फिटनेस और खुशियों का उत्सव बन चुका है।

खेल अधिकारी श्री विकास खराड़कर ने बताया कि खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग की पहल पर शुरू हुए इस शिविर को कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे एवं पुलिस अधीक्षक श्री राजेश रघुवंशी के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है। 1 मई से 31 मई तक चलने वाले इस शिविर में बच्चों और अभिभावकों की जबरदस्त सहभागिता देखने को मिल रही है।

शिविर का आयोजन जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखंडों के कुल 40 स्थानों पर किया जा रहा है। प्रतिदिन शाम 4:30 से 6:30 बजे तक चलने वाले इस कैंप में 20 विभिन्न खेलों में लगभग 2000 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इन्हें 50 अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जिला मुख्यालय में बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, खो-खो, क्रिकेट, तैराकी, कुश्ती, एथलेटिक्स समेत 17 खेलों का संचालन हो रहा है। वहीं प्रत्येक विकासखंड में 2-2 खेलों में बच्चों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

मस्ती की पाठशाला की सबसे बड़ी खासियत इसकी ऊर्जा से भरपूर शुरुआत है। हर दिन प्रशिक्षण की शुरुआत एरोबिक्स, फिटनेस एक्टिविटी और फन गेम्स से होती है। बच्चों की हंसी, उत्साह और जोश ने मैदान के माहौल को उत्सव जैसा बना दिया है। अभिभावक भी इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। शिविर केवल खेल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है। इसमें फिट इंडिया मूवमेंट, व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक गतिविधियां, सामाजिक जागरूकता और फैमिली एंगेजमेंट को भी शामिल किया गया है। महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा से जुड़े खेलों का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

सभी प्रतिभागियों का ऑनलाइन पंजीयन किया जा रहा है। शिविर पूरा होने पर बच्चों को ई-प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जिला प्रशासन का मानना है कि यह अभियान बच्चों में खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने, छुपी प्रतिभाओं को निखारने और स्वस्थ समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

अव्यवस्थाओं एवं लगातार हो रही बाघों की मौत को लेकर पत्रकारों ने 14 सूत्रीय मांगो पर प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश के विश्व प्रसिद्ध कान्हा नेशनल पार्क में लगातार सामने आ रही अव्यवस्थाओं बाघों की मौत और कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर अब जिले के पत्रकारों ने मोर्चा खोल दिया है। पिछले कई दिनों से कलेक्ट्रेट मार्ग पर पत्रकार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और प्रशासन से निष्पक्ष जांच तथा ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में पत्रकारों ने प्रधानमंत्री के नाम कलेक्टर को 14 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है। पत्रकारों का आरोप है कि कान्हा टाइगर रिजर्व में लंबे समय से कई अनियमितताएं चल रही हैं जिनकी जानकारी समय-समय पर समाचार माध्यमों के जरिए प्रशासन और शासन तक पहुंचाई जाती रही है लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। पत्रकारों का कहना है कि लगातार हो रही बाघों की मौत और पार्क क्षेत्र में बढ़ती अव्यवस्था वन्यजीव संरक्षण की गंभीर स्थिति को दर्शाती है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि मध्यप्रदेश आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में स्थित कान्हा नेशनल पार्क में फैली अव्यवस्थाओं को लेकर पत्रकार लगातार आवाज उठा रहे हैं। नियमित रूप से समाचार प्रकाशित होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा न तो निष्पक्ष जांच कराई गई और न ही दोषियों पर कार्रवाई हुई। इसी कारण जिलेभर के पत्रकार 5 मई 2026 से लगातार धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ज्ञापन में पत्रकारों ने कहा कि कान्हा प्रबंधन द्वारा कई बार पत्रकारों को गलत जानकारी दी जाती है जिससे वास्तविक स्थिति छिपाई जाती है। पत्रकारों ने मांग की है कि यदि किसी मामले में गलत जानकारी दी जाती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। इसके साथ ही पत्रकारों ने पार्क के भीतर बने पक्के निर्माणों पर भी सवाल उठाए हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि कान्हा के भीतर होटल रिसॉर्ट और अन्य निर्माण कार्य पर्यावरणीय दृष्टि से गंभीर चिंता का विषय हैं। पत्रकारों ने ऐसे निर्माणों को तत्काल हटाने की मांग की है। पत्रकारों ने कान्हा के तीनों प्रमुख प्रवेश द्वारों के आसपास हुए अतिक्रमण को भी गंभीर समस्या बताया। उनका कहना है कि पार्क क्षेत्र के आसपास लगातार व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ रही हैं जिससे वन्यजीवों के प्राकृतिक वातावरण पर असर पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि पार्क क्षेत्र के समीप किए गए अतिक्रमणों को तत्काल हटाया जाए। इसके अलावा पत्रकारों ने कान्हा को मांसाहार मुक्त क्षेत्र घोषित करने की मांग भी उठाई।

निर्देश | **टीएल पत्रों में लापरवाही नहीं चलेगी, अधिकारी करें व्यक्तिगत फॉलोअप-कलेक्टर।**

1 जून से ग्राम दिवस, हर गांव में होगी जनसुनवाई

*** 500 दिन पुराने प्रकरणों का एक सप्ताह में करें निराकरण।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला योजना भवन में सोमवार को समय-सीमा और विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि टीएल पत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी स्वयं व्यक्तिगत फॉलोअप कर समय पर जवाब प्रस्तुत करें। जिन प्रकरणों पर कार्रवाई पूरी हो चुकी है, उन्हें तत्काल क्लोज कराया जाए।

फील्ड विजिट अनिवार्य, रिपोर्ट देना जरूरी

जिलाधिकारियों के फील्ड विजिट की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि सिर्फ भ्रमण पर जाना काफी नहीं है। मौके पर निरीक्षण कर उसका प्रतिवेदन प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उन्होंने सभी एसडीएम को सप्ताह में दो दिन और नगरीय निकायों के सीएमओ को सप्ताह में तीन दिन फील्ड विजिट के निर्देश दिए। विजिट के दौरान आंगनबाड़ी और स्कूलों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करने को कहा।

ग्राम दिवसः गांव में ही होगा समस्याओं का निराकरण

कलेक्टर श्री धोटे ने बताया कि 1 जून से जिले में ग्राम दिवस कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे। इनमें सभी फील्ड फंक्शनरी अनिवार्य रूप से गांव में मौजूद रहेंगे। वहां जनसुनवाई कर आवेदनों का पंजीकरण किया जाएगा और यथासंभव मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

पेयजल पर विशेष ध्यान, आयरन की अधिक मात्रा वाले हैंडपंप के पाइप बदलें

पेयजल आपूर्ति की समीक्षा में कलेक्टर श्री धोटे ने खराब हैंडपंप की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि टेस्टिंग में 35 हैंडपंप के पानी में आयरन की मात्रा अधिक पाई गई है, वहां पाइप बदले जाएं। फ्लोराइड वाले चिन्हित हैंडपंप को बंद कराएं या स्पष्ट चिन्ह अंकित करें और वैकल्पिक व्यवस्था कराएं।

सीएम हेल्पलाइनः 9 दिन में सुधारें ग्रेडिंग

सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि 500 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों को एक सप्ताह में शून्य करें। जिले की ग्रेडिंग जारी होने में 9 दिन शेष हैं, इसलिए अधिक प्रकरण वाले विभाग दैनिक लक्ष्य तय कर फॉलोअप लें। न्यायालय के रिट और कंटेम्प्ट प्रकरणों में समुचित जवाब प्रस्तुत करने को कहा।

नगर परिषद बिछिया में जनगणना प्रथम चरण के निरीक्षण के लिए बैठक आयोजित

भुआबिछिया। दिनांक 11 मई 2026 को नगर परिषद बिछिया कार्यालय में जनगणना प्रथम चरण के मकान सूचीकरण कार्य के निरीक्षण हेतु प्रगणक एवं सुपरवाइजर की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी संस्कार बावरिया ने सभी प्रगणकों की कार्य प्रगति और नजरी नक्शा का निरीक्षण किया। उन्होंने जनगणना कार्य निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/तह./प्रवा./2026/ नैनपुर दिनांक-05/05/26

प्र.क्र.-28(अ-20(3)/2025-26

//इश्तहार//

एतद् द्वारा आम जनता सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम खिरखिरी तहसील नैनपुर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है कि ग्राम खिरखिरी प.ह.19 रा.नि.मं. पिण्डरई में स्थित भूमि ख.नं. 524. रकबा क्रमशः 1.00 मे से 111 वर्गमीटर हे. भूमि आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन के लिये आवेदक/विभाग संस्था महिला बाल विकास नैनपुर के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 20/5/2026 को दिन के 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार नैनपुर
जिला मण्डला

न्यायालय तहसीलदार नैनपुर जिला मण्डला

क्रमांक/तह./प्रवा./2026/ नैनपुर दिनांक-05/05/26

प्र.क्र.-04(अ-20(3)/2025-26

//इश्तहार//

एतद् द्वारा आम जनता सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम धर्राची तहसील नैनपुर जिला मण्डला को सूचित किया जाता है कि ग्राम धर्राची प.ह.01 रा.नि.मं. पिण्डरई में स्थित भूमि ख.नं. 170. रकबा क्रमशः 0.0433 मे से 0.0100 हे.भूमि आंगनबाड़ी भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटन के लिये आवेदक/विभाग संस्था महिला बाल विकास नैनपुर के द्वारा भूमि आवंटन की मांग हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महो. मण्डला के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। अतः एतद द्वारा इस इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है, कि उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 20/5/2026 को दिन के 11 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तहसीलदार नैनपुर
जिला मण्डला

खबर संक्षेप

गांव गांव लकड़ी माफिया हुये सक्रिय, हरियाली के दुश्मनों पर प्रशासन की चुप्पी ?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से क्षेत्र की जंगलों को लकड़ी माफियों द्वारा रातो रात सफाया किया जा रहा है जिसको लेकर स्थानीय वन विभाग की कार्य प्रणाली चर्चाओं में बनी हुई है? वही दुसरी ओर क्षेत्र में जहां तहां बबूल के पेड़ो की कटाई होने के साथ उनका अवैध रूप से दूसरे प्रांतों में परिवहन होना वन विभाग के अधिकारियों पर मिली भगत का संदेह पैदा करते हुए जान पड़ रहा है? जबकि शासन द्वारा बीते हुये वर्ष लगभग 53 प्रकार के वृक्षों की कटाई पर प्रतिबंध लगाते हुये उनके परिवहन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जिसमें बबूल भी शामिल होने की बात कही जाने के उपरांत भी देखा जा रहा है कि धडल्ले से बबूल के पेडों को काटने के साथ साथ उनकी लकड़ी का परिवहन होना अनेक प्रकार के संदेहों को जन्म दे रहा है? मगर क्षेत्र में देखा जा रहा है कि क्षेत्रवासियों की मिली भगत के चलते कुछ दूसरे प्रांतो से आये हुए लोगों द्वारा म.प्र. से बबूल सहित अनेक प्रकार के पेड़ो की लकड़ी को ओने पोने दामों में खरीदकर अपने प्रांतों में ले जायी जा रही है। इस संबंध में बताया जाता है कि क्षेत्र में बाहर से आये हुए बबूल माफियों द्वारा यहां से बबूल की लकड़ी खरीदकर अपने प्रांत को अवैधानिक रूप से खुलेआम परिवहन करते हुए देखे जाने के बाद भी वन विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना निश्चित तौर से वन अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर प्रश्न वाचक चिन्ह लगाने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस प्रकार से धडल्ले से चल रहे लकड़ी के अवैध परिवहन को लेकर वन विभाग के अधिकारियों की मिली भगत का संदेह पैदा होने से भी नही चूक पा रहा है? इस प्रकार क्षेत्र के गांवों से बबूल के पेड कटने के साथ उनका परिवहन होने का परिणाम इस प्रकार से देखने मिल रहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में खड़े हुए बबूल के जंगल जहां आज साफ होने के बाद सिर्फ उनके टूट ही टूट नजर आ रहे है।

नगर के मुख्य मार्गो से लेकर कॉलोनी की कुलियों में अतिक्रमण के चलते आम लोगों को होना पड़ रहा है परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। वर्तमान में शहर के रेलवे स्टेशन क्षेत्र पलोटन गंज, राठी तिराहे, शासकीय शालाओं के इर्द गिर्द शुक्रवार बाजार, मंदिरो, मस्जिदो के सामने पसरे अतिक्रमण से जहां शहर को सौन्दर्यीकरण खतरे में पड़ गया है। वही शहर में चौतरफा हुए अतिक्रमण से राहगीरो, वाहन चालकों का सड़को से गुजरना दूभर होता जा रहा है। गौरतलब है कि नगर में इस समय नजूल, नपा.लोक निर्माण विभाग द्वारा अपनी बेश कीमती भूमि की परवाह न करने से अतिक्रमणकारियो के हौसले बुलन्द हो गए है, जिसके चलते सड़कों के किनारो, चौराहो के नजदीक शासकीय भूमि का दुरूपयोग करते हुए अतिक्रमणकारी ठेले रख रहे है। वही देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां खाली पड़ी शासकीय भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम कालोनियों का निर्माण किया जा रहा है? जिससे नगर का स्वरूप बिगाड़नें का प्रयास कर रहे है, इस बेजा हो रहे अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था तो चौपट हो ही रही है साथ ही शहर में जहां तहां जाम लगने, दुर्घटनाएं होने के अंदेशा सदा बना रहता है। बाजार में जहां अनेक व्यापारी आधी सड़क पर कब्जा जमा अपनी दुकानो का सामान प्रदर्शित करते है तथा झंडाचौक पर मनमर्जी से दुकानें लगाने से शाम के समय सड़को से निकलना मुश्किल हो जाता है। इसी तरह शैक्षणिक संस्थाओं के इर्द गिर्द अतिक्रमणों की बाढ़ आने से शालाओं में पहुँचने वाले बच्चों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। ज्ञातव्य है कि बैंकों, सब्जी बाजार, अनेक शासकीय कार्यालयों में वैसे भी पार्किग व्यवस्था का अभाव है तो दूसरी ऊपर से नगर में अतिक्रमण की अमरबेल फैलती चले जाने से विकसित हो रहे नगर की ट्रेफिक व्यवस्था पंगु होती जा रही है। शहर में धड़ल्ले से चहुँओर अतिक्रमण होने से गाडरवारा की पहचान मुश्किल भरे शहर के रूप में बनती जा रही है और बेतरतीब बसाहट, ठेले, ठिलियो का जाल फैलने से नगर की सुंदरता को ग्रहण लगने लगा है, बेबाक लहजे में कुछ लोगो का कहना है कि वास्तव में अतिक्रमण फैलाने की बीमारी राजनीतिक पहुँच वाले असरदारों की देन है।

वर्षों पुराने पुराने जर्जर स्थिति में पहुंच चुके पुल के भरोसे बनाई 76 करोड की सड़क कुछ सालों में ही बताने लगी अपनी गुणवत्ता की सच्चाई...

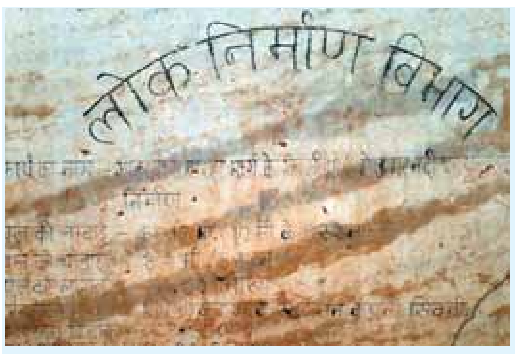

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब किसी क्षेत्र के लिये विकास की सौगात मिलती है तो निश्चित तौर से क्षेत्र में लोगों में खुशी देखने मिलती है। मगर वही सौगात जब गफलत बाजी की भेंट चढ़ने के बाद जिम्मेदारों द्वारा चुप्पी साध ली जाती है तो वह चर्चा का विषय बनने से ही चूक पाती है..? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई कुछ साल पहले समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका तक बनी हुई सीमेन्ट सडक को देखते हुये जान पड़ रही है। बताया जाता है कि तरह आज बडे नेताओं द्वारा क्षेत्र के विकास के सौगात में गिनाने से नही चूक रहे है। मगर जब उसकी गुणवत्ता की सच्चाई उजागर होने के बाद भी उनकी चुप्पी सबाल खड़े करने से नही चूक पाती है। चंद वर्ष पहले लगभग 76 करोड़ रूपया की लागत से निर्मित हुई समीपस्थ ग्राम सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुए सालीचौ पौड़ार तिराहा तक सीमेन्ट सड़क की सच्चाई निर्माण के शुरूआती तौर से ही चर्चा का विषय बनी हुई देखी जा रही थी। क्योंकि इस सीमेन्ट सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता पर भी अनेक प्रकार के सबाल खड़े होते हुए दिखाई देने के बाद भी जिम्मेदारों द्वारा जिस प्रकार से सच्चाई को नजर अंदाज किया गया था उसका परिणाम है कि यह सड़क चार सावन भी साथ नही निभा पाई गई और अपनी गुणवत्ता के गीत सुनाते हुये दिखाई देने लगी है। वैसे भी गौर किया जावे तो सड़क निर्माण की गुणवत्ता की सच्चाई तो उस समय देखने मिल चुकी थी जब निर्माण कार्य चलने के दौरान ही ग्राम बारहाबड़ा के पास निर्माणाधीन एक पुलिया निर्माण के दौरान ही धराशाही हो जाने के कारण उसमें काम करने वाले कुछ लोगों को चोटे भी आई हुई थी। इस प्रकार से निर्माण के दौरान धराशाही हुई पुलिया ने जहां सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सबाल खड़े कर दिये गये थें। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी के द्वारा ध्यान देना उचित नही समझा गया था। वही दूसरी ओर सड़क निर्माण में उपयोग किये जाने वाली रेत को लेकर भी अनेक प्रकार की चर्चाएं शुरूआती तौर से ही सुनाई देने से नही चूक पाई थी। इतना ही नही यदि शासन द्वारा खर्च की गई राशि यानि की 76 करोड़ रूपया की लागत से बनी हुई इस सड़क की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो सड़क निर्माण के दौरान सूखाखैरी से बारहाबड़ा होते हुये सालीचौका के बीच सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य करने के साथ साथ बीच में पड़ने वाली पुलियों का निर्माण कार्य भी इसी में शामिल होने की चर्चा सुनी जा रही थी...? मगर पता नही इस सीमेन्ट सड़क निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा पुल व पुलियों के निर्माण कार्य में कोताही बरती जिसके चलते इस सड़क का भविष्य अपने आप ही उजागर होते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि सड़क निर्माण का कार्य के समय पुराने पुल व पुलियों के भरोसे ही कार्य पूर्ण किया जाना संदेह के घेरे में आने से नही चूक पाया था। जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो ग्राम बारहाबड़ा के समीप दूधी नदी पर बने हुये पुल के निर्माण को वर्षो का समय बीत जाने के कारण यह पुल पहले ही जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस जर्जर स्थिति में पहुंचते हुये पुल का निर्माण करने की जगह कंपनी द्वारा इसी पुल के भरोसे इस सड़क का निर्माण कार्य कर डाला है। बताया जाता है कि बारहाबड़ा के पास 24 जून 2008 को पुल का निर्माण हुआ है, जिसके चलते उस समय भी पुल के निर्माण कार्य के उपरांत इस पुल के पास किसी भी प्रकार से एपरोच रोड का निर्माण नही होने से पुल के महत्व पर सबाल खड़े होने से नही चूक पाये थें। वही दूसरी ओर सड़क निर्माण के दौरान ही इस पुल के ऊपर से निकल रही लोहे की राडे निश्चित ही पुल के जर्जर होने की सच्चाई को उजागर करते हुये देखी जा रही थी। मगर कंपनी द्वारा उन्ही की लीपापोती करते हुये अपने कार्य को अंजाम दिया जाना सबाल खड़े करने से नही चूक रहा था। मगर जिम्मेदारों की चुप्पी के चलते जर्जर स्थिति में पहुंच चुके पुल के भरोसे बनाई गई इस सड़क अपने निर्माण के कुछ ही वर्षों बाद जिस तरह से उखड़ने के साथ पुल में दिखाई दे रही दरारे इस बात की ओर संकेत करने से नही चूक रही है कि इसकी लम्बी उम्र की काल्पना नही की जा सकती है..? वही क्षेत्र के लोगों का कहना था कि जब इतनी बड़ी राशि से सीमेन्ट सड़क का निर्माण कार्य हुआ है तो फिर पुल सहित नई पुलियों का निर्माण क्यों नही किया गया है। क्योंकि इस मार्ग पर पड़ने वाला इस पुल के आलवा अन्य पुलिया जर्जर स्थिति में पहले ही पहुंच चूकी थी जिसके चलते यदि उन्ही पुराने पुल व पुलियों के भरोसे सड़क का निर्माण कार्य किया गया तो इस सड़क के निर्माण का महत्व अपने आप ही समाप्त होने होने से नही बच पाया है। वही दूसरी ओर अभी इस सड़क के निर्माण कार्य को मात्र चंद वर्ष का समय ही बीता हुआ है और जहां तहां से टूटते हुये देखी जा रही सड़क की सच्चाई निश्चित ही सड़क निर्माण में अपनाई गई गुणवत्ता को उजाकर करने से नही चूक रही है।

दुकानों से लेकर वाहनों में भी धड़ल्ले से हो रहा घरेलू गैस का उपयोग, प्रशासन की भूमिका बनी संदिग्ध?

हरिभूमि न्यूज/सिहोरा/बोहानी। जहां एक ओर लोगों को इस समय गैस प्राप्त करने के लिए परेशान होते हुए देखा जाता है। वही दूसरी ओर घरेलू गैस का व्यवसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि नगर में जहां खुलेआम घरेलू गैस को नियम विरूद्ध तरीके से दुकानों पर व्यवसायिक रूप से उपयोग हो रहा है, इस बात की सच्चाई सड़को पर आलू बंडा, चाट, मुंगोडी और अंडे का ठेला लगाने वाले बेहतर जानते है? जब भी किसी अधिकारी को कानून का पालन करानें की याद आती है तो सड़क किनारे से 4-5 सिलेंडर जप्त कर लिये जाते है। परंतु रसूखदार मालिको के बड़े प्रतिष्ठानो पर कार्यवाही करने में अधिकारियो के हाथ में न जाने क्यो दही जम जाता है? घरेलू गैस के दुरूपयोग को रोकना खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की जिम्मेदारी है मगर विभाग द्वारा दिखाई जाने वाली सुस्ती से घरेलू उपभोक्ताओं के हक पर डाका डाल रहे होटल संचालको व अन्य व्यवसायियो के हौसले बुलंद है। शादियो सीजन के दौरान जहां खुलेआम घरेलू गैस का दुरूपयोग होते हुये देखा जाता है। वही दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी जम शाम ढले किसी समारोह में सह परिवार पहुंचते है तो वहां हर स्टॉल पर घरेलू सिलेंडरो पर रखे कड़ाहो से विभिन्न व्यंजन तलकर निकलते है तो वे इनका आनंद लेते हुई दिखाई देने से नही चूकते

है? इस प्रकार से घरेलू सिलेंडरो का मुद्दा कैटरर्स के पाले में आते ही उनके रसूख और शादियो के ढोल ढमाको में दबकर रह जाता है। वही देखा जावे तो प्लेट्स के आधार पर बिल चार्ज करने वाले कैटरर्स को व्यवसायिक काम के लिए कामर्शियल सिलेंडरो का उपयोग करना गंवारा नही है जिसके चलते प्रतिदिन दर्जनो सिलेंडर खाली कर देने वाले इन कैटरर्स को कभी गैस संकट का सामना भी नही करना पड़ता है। इस प्रकार से घरेलू गैस की बढ़ती कीमतो ने भले ही खाने का स्वाद बिगाड़ दिया हो मगर आयोजनों में खाना बनाने वाले पूरी दिलैरी के साथ लोगो को लजीज व्यंजनो का स्वाद चखा रहे है। रसोई गैस में दौड़ रहे वाहन इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र मे सैकड़ो की तादाद में सीएनजी ईंधन से चलने वाले वाहन दौड़ रहे है वही दूसरी ओर जिले में कही भी सीएमजी रिफलिंग सेन्टर नही है, जो वाहन चालक अपने वाहन में वास्तव में सीएनजी भराना चाहता है उसे किसी दूसरे बड़े महानगरों के रिफलिंग सेन्टर जाना पड़ेगा। ऐसे में अब प्रश्न यह उठता है कि इन्हे सीएनजी गैस टेंक में डालने कहां से मिलती है? जाहिर सी बात है उपभोक्ताओं के हिस्से की टंकी इन्ही वाहनो में रिफिल की जा रही है। जिसके चलते शहरो से लेकर अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी आये दिन चोरी छुपे 100-50 रूपये में रिफिल किये जाने का कारोबार जोरो पर है..? जबकि देखा जावे तो इस प्रकार से रसोई गैस से वाहनो को दौड़ाने के चक्कर में आये दिन किसी ने किसी शहर में हादसे होने की खबर आती रहती है मगर इसके बाद भी प्रशासन का रवैया गैर जिम्मेदाराना होना चिंता की बात है? जबकि इस प्रकार से संभावित हादसो और घरेलू गैस की किल्लत को रोकने के लिये यह बेहद आवश्यक है कि विभागीय अधिकारी गंभीरता दिखाते हुए इन पर नकेल कसने का प्रयास करें एवं जिन स्थानो पर असुरक्षित तरीके से गैस रिफलिंग का काला कारोबार चल रहा है उन ठिकानो पर छापामारी कर उन्हे सबक सिखाया जाये, वही विवाह समारोहो एवं अन्य ऐसे आयोजन जहां घरेलू गैस के दुरूपयोग पर भी अंकुश लगना जरूरी है।

बिजली की ऑख मिचौली से शहर से लेकर ग्रामीणजन हो रहे परेशान, अधिकारी नहीं दे रहे हैं ध्यान

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर। इस समय देखा जा रहा है कि जहां बिजली विभाग द्वारा शहर से लेकर ग्रामवासियों को मन माफिख बिल देते हुए महगांई के दौर में उनकी घरों के बजट को विगाड़ते हुये उत्सह को तो फीका कर दिया गया है। मगर वही दूसरी ओर जिस प्रकार से बिजली कटौती की जा रही है उसके चलते लोगों को मुश्किल में डाल दिया गया है। बताया जाता है कि इस समय शहर से लेकर गॉवो में जिस प्रकार से बिजली की ऑख मिचौली चल रही है, उसके चलते लोग परेशान हो रहे है तो वही दूसरी ओर बच्चें अपनी पढ़ाई नही कर पा रहे है। इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा कह दिया जाता है कि अचानक बिजली लाईन में खराबी आ जाने के कारण बंद हुई है सुधार कार्य चल रहा है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व बिजली विभाग द्वारा सुधार के नाम पर संपूर्ण नगर की बिजली बंद रखी गई थी, और कहा गया था कि अब जरूरत के दौरान लोगों को बिजली की परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है कि क्षेत्र में प्रतिदिन दिन रात में अनेकों को बार बिजली अचानक बंद हो रही है, जिससे बिजली विभाग द्वारा पूर्व के समय में किये गये सुधार कार्य को लेकर जहां अनेक सबाल खड़े हो रहे है। वही दूसरी ओर यह सबाल भी उठ रहा है कि आखिर में किस प्रकार से सुधार हुआ था जिसके चलते अब बारिश के समय में लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जो जरा सा पानी गिरते ही बिजली बंद हो रही है। अब सबाल यही पैदा हो रहा है कि क्या बिजली सुधार कार्य के नाम पर सिर्फ औपचारिकता ही निभाई गई थी या फिर शासन के पैसा की होली खेली गई थी? इस प्रकार से बिजली की आंख मिचोली के चलते सर्वधिक परेशानी नगर के उन रिहाईशी इलाकों के निवासियों को हो रही है, जहां पानी की सप्लाई नलकूपों के माध्यम सें की जाती है। इन इलाको में बार बार बिजली बंद होने से पानी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इस प्रकार से लगातार हो रही बिजली की अघोषित कटौती को लेकर नागरिको का कहना है कि शाम ढलने के साथ ही बिजली की ऑख मिचौली शुरू हो जाती है जो लगभग सारी रात व दिन में भी जारी रहती है।

क्या चल रहे जल संवर्धन मुहित के बीच इस धरोहर की सूरत बदल पायेगी...?

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय जहां शासन प्रशासन द्वारा जल संरक्षण के लिये अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करते हुये मुहिम चलाते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर अधिकारियों के साथ साथ समूहों के द्वारा चलाई जा रही यह मुहिम अखबारों की सूर्खिया बनने से नही चूक पा रही है। मगर सबाल यह है कि कुछ इस तरह की धरोहर है जो उपेक्षा की शिकार होने से नही बच पा रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई पीतल नगरी चीचली में भी देखने मिल रही है। स्वतंत्रता संग्राम मे यहॉ के देशभक्त मंशाराम की शहादत, वर्तन उद्योग के अलावा चौगान के किले ने चीचली को समूचे देश मे पहचान दिलायी। गौड़ शासनकाल मे रानी दुर्गावती ने चीचली क्षेत्र मे अनेक मंदिरो, तालाबों का निर्माण कराया था, जो उपेक्षित होने के बावजूद अपना अस्तित्व बचाए हुए है। गौड़ साम्राज्य के स्मृति स्थलो की कड़ी मे राजमहल चीचली के सामने रानी दुर्गावती के परिवारजनों नें मजबूत आकर्षक बावड़ी का निर्माण कराया था जिसमे बहुत वर्षो तक पानी संरक्षित रहने के प्रमाण मिलते है, लेकिन विडम्बना की बात है कि प्रशासन तथा जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से यह

बावड़ी बेनूर हो गयी है। सच्चाई पर नजर डाली जावे तो वर्षो की बरसात, ऑधियॉ सहने के बाद इसकी दीवारे क्षतिग्रस्त होती चली जा रही है और बाबड़ी के आस पास फैली गंदगी के बीच यह बावड़ी अपने शानदार अतीत पर ऑसू बहा रही है। गौरतलब है कि पुरा सम्पदर माने जाने वाली इस बाबड़ी की विशेषता का खास पहलू यह है कि उपेक्षित रहने के बाद भी अभी तक इसका अस्तित्व मिटा नही है और यदि शासन प्रशासन स्तर पर बावड़ी के सुधार की दिशा मे प्रयास किए जाऍ तो इसका खोया गौरव फिर लौट सकता है।

आखिर में जल विहीन नहरों का क्या औचित्य, जब किसानों को मौके पर नहीं मिल पा रहा है पानी

हरिभूमि न्यूज/कौडिया। इस समय देखा जा रहा है कि क्षेत्र का किसान नही मिल पाने के कारण अपनी फसलों को लेकर परेशान देखे जा रहे है, वही दूसरी ओर स्थिति इस प्रकार से है कि वह आगामी फसलों की तैयारियों को लेकर पानी की व्यवस्था तक पूरी करने में असमर्थ महसूस करने से नही चूक रहे है। मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में जहां शासन द्वारा करोड़ो रूपया खर्च करते हुए क्षेत्र के किसानों के खेतों में से नहरों का निर्माण तो कर दिया गया है, मगर उन नहरों में जरूरत के समय पानी नही आने के कारण उनके औचित्य पर भी सबाल खड़े होने लगे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो जब क्षेत्र में नहरों के निर्माण कार्य की शुरूआत हुई थी उस समय क्षेत्र के किसानों के चेहरों में इस सोच के साथ खुशी झलक रही थी कि क्षेत्र में नहरों का निर्माण होने के कारण उनकी जिन्दगी संभल जावेगी? जब नहरों से पानी आवेगा तो वह अपने खेतों में भर पूर फसल लेते हुए खुशहाली से झूम उठेगे(मगर इस समय वह खुशी उनके लिए मात्र एक सपना ही साबित हुए जान पड़ रही है? क्योंकि क्षेत्र में बनी हुई नहरे मात्र उन्हें चिडाते हुए जान पड़ रही है? क्योंकि क्षेत्र में करोड़ो की लागत से बनी हुई नजरों में पानी नही छोड़े जाने के कारण लोगों कह रहे है कि आखिर में जब नहरें बन ही चुकी है तो फिर इसका लाभ क्षेत्र के किसानों को मिल क्यों नही रहा है क्या यह नहरें सिर्फ दिखाने के लिए ही बनाई गई थी? जो आज मुश्बित के समय किसानों को उपयोगी साबित नही हो रही है तो फिर इनके निर्माण का मतलब ही क्या रह गया है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो नहरों के निर्माण के बाद संबंधित विभाग द्वारा न तो इनकी सफाई की ओर किसी प्रकार से ध्यान दिया गया है और न ही उन्हें चालू किये जाने की ओर कोई पहल की जा रही है, जिसके चलते उनकी उपयोगिता पर प्रश्न चिन्ह लगता हुआ देखा जा रहा है? क्षेत्र के किसानों का कहना है कि यदि समय रहते हुए इन नहरों में पानी नही छोड़ा गया तो इसके खिलाफ क्षेत्र के लोगों द्वारा आंदोलन जैसे कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा जिसके जिम्मेदार नहर विभाग के अधिकारी व नेतागण होग।

जंगल क्षेत्र में स्थापित हो रहे उद्योगों के चलते वन्य जीवों की जिन्दगी आई खतरे में, जंगली जानवर कर रहे गांवों की ओर अपना रूख

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां गाडरवारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चीचली जंगल पट्टी सहित गोटीटोरियॉं क्षेत्र में अनेक प्रकार के जंगली जानवार निवास करते है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित हिरण, बारह सिंगा, मृगा के आलवा इस प्रकार के अनेक जीव निवास करते हुए देखे जाते है जो जरा से भी शोर गुल के कारण भयभीत होने से वह यहां वहां भटकने लगते है, जिसके कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते भी देखने मिल रही है? बताया जाता है कि इस क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते लगातार हो रहे शोर गुल के चलते जहां यहां

पर निवास करने वाले हिरण, बारह सिंगा, चीतल मोर लगातर यहां वहां पर भटकते हुए दिखाई दे रहे है? जबकि इस क्षेत्र में भारी मात्रा में निवास करने वाले भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोरों की जिन्दगी भी पूर्णरूप से खतरे में जान पड़ रही है, क्योंकि जिस क्षेत्र में इस प्रकार के उद्योग की स्थापना हो रही है उस क्षेत्र के सैकड़ो की संख्या में मोर निवास करते थें, कुछ इसी प्रकार से हिरण व चीतलों की संख्या भी दिखाई पड़ती थी, मगर इस समय चह वन्य प्राणी यहां पर लगने वाले उद्योग के कारण गांवों की ओर रूख करने से अक्सर देखा जाता है कि वह बेमौत मारे जाने लगे है? क्योंकि जब यह वन्य प्राणी गांवों की ओर रूख करते है तो उन्हें या तो कुत्ता अपना शिकार बना लेते है या फिर यदि किसी सड़क पर आ जाते है तो वाहन की टक्कर से इनकी मौत होना आम बात होती जा रही है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुए वर्ष के दौरान चीचली क्षेत्र में देखने भी मुल चुकी है जिसके चलते क्षेत्र में भटकते हुए अनेक हिरणों व अन्य वन्य जीवों मौत हो चुकी है।

राष्ट्रीय स्तर के मार्ग पर कब मिलेगी गड्ढों से निजात

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। भले ही सरकार द्वारा हर वर्ष अपने बजट में नई सड़को का निर्माण कराने के लिये अरबों रूपया खर्च करने की बात कही जा रही है। मगर जिस प्रकार से पुरानी सड़को की स्थिति हो रही है उस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही देने का परिणाम इस प्रकार से बन चुका है कि इन सड़को पर वाहन चालकों को सड़क खोजना मुश्किल होने लगा है? इस बात की सच्चाई इस समय राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख माने जाने वाले जबलपुर से भोपाल की ओर जाने वाले गाडरवारा पिपरिया के बीच देखने मिल रही है, जहां पर इस मार्ग पर गड्ढो की भरमार होने के कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर समीपस्थ ग्राम पनागर के पास स्थित नाग मंदिर के समीप सड़क पर निकला हुआ गड्ढा अब वाहन चालकों के लिये जान लेवा साबित होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहा है। बताया जाता है कि यह गड्ढा दिनों दिन अपना रूप बढ़ाते हुये दिखाई दे रहा है जिसके चलते वाहन चालकों का निकलना मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि अब इस मार्ग से निकलने वाले वाहनों से शासन प्रशासन द्वारा टोल टेक्स के रूप में राशि बसूलने की भी तैयारी कर डाली है जिसके चलते टेल टेक्स बसूलने के लिये तैयार निजी कंपनी द्वारा सड़क सुधार के नाम पर लीपा पोती करते हुये गड्ढो को भरने के नाम पर कुछ जगहों पर मात्र औपचारिकता निभाते हुये पैसा बसूलने के नाम पर तैयार होकर बैठ चुकी है। मगर वाहन चालकों के लिये गड्ढो से कोई राहत दिखाई नही दे रही है।

खबर संक्षेप

केज एक्वाकल्चर और फिश प्रोसेसिंग परियोजनाओं के लिए आवेदन आमंत्रित

डिंडौरी। मध्यप्रदेश शासन के संचालनालय मत्स्योद्योग द्वारा मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति 2026के अंतर्गत प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने और निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निवेशकों और उद्यमियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। योजना के तहत केज स्थापना और संचालन सहित मत्स्य आधारित आधुनिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।विभाग से जारी जानकारी के अनुसार प्रदेश के विभिन्न जिलों में मत्स्योद्योग विभाग जिला पंचायत और नगरीय निकायों के चयनित जलाशयों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए उद्यमी मॉडल लागू किया जा रहा है। इसके अंतर्गत केज एक्वाकल्चर एक्वापोनिक्स इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग ईको टूरिज्म तथा ग्रीन एनर्जी जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।नीति के माध्यम से फिश हैचरी आइस प्लांट कोल्ड स्टोरेज फिश प्रोसेसिंग यूनिट और मत्स्य विपणन अधोसंरचना के विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। पात्र उद्यमियों को बैंक ऋण सुविधा ब्याज सबवेंशन तथा तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।इच्छुक निवेशक और उद्यमी 20 मई 2026 तक संबंधित जिले के मत्स्योद्योग विभाग कार्यालय में डीपीआर और आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी [मत्स्योद्योग विभाग मध्यप्रदेश(**https://www.mpfisheries.gov.in?utm_source=chatgpt.com**) पर उपलब्ध है।विशेषज्ञों के अनुसार यह नीति प्रदेश में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने रोजगार के नए अवसर सृजित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जांच के बाद पटवारी को मिली राहत, कलेक्टर ने किया बहाल

डिंडौरी। निलंबन की कार्रवाई का सामना कर रही पटवारी सुश्री शारदा पारधी को आखिरकार जांच और प्रतिवेदन के बाद राहत मिल गई है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डिंडौरी द्वारा जारी आदेश में उन्हें पुनः बहाल करते हुए मूल पदस्थापना स्थल पर कार्यभार सौंप दिया गया हैबताया गया कि पटवारी हल्का नंबर 53 ग्राम पौंडी माल, राजस्व निरीक्षक मंडल नेवसा तहसील डिंडौरी में पदस्थ सुश्री शारदा पारधी को पूर्व में प्रशासनिक कारणों से निलंबित किया गया था। बाद में तहसीलदार डिंडौरी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन में उनके कार्य एवं व्यवहार को संतोषजनक बताते हुए निलंबन समाप्त करने की अनुशंसा की गई।

शहपुरा में दिनदहाड़े शिक्षक का रुपयों से भरा बैग चोरी, CCTV में कैद हुई वारदात

शहपुरा । जिले के शहपुरा नगर में सोमवार दोपहर एक सनसनीखेज चोरी की वारदात सामने आई, जहां एक अज्ञात युवक शिक्षक का रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, वहीं पूरी वारदात का सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिक्षक बैंक से करीब 50 हजार रुपये निकालकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान वे शहपुरा नगर स्थित एक चाय दुकान पर चाय और पानी पीने के लिए रुके थे। बताया जा रहा है कि शिक्षक ने रुपयों से भरा काले रंग का बैग अपने पास रखा हुआ था। इसी बीच शिक्षक पानी पीने के लिए गिलास उठाकर दुकान के बाहर निकले और बैग कुर्सी पर ही रख दिया। बस इसी मौके का फायदा उठाकर एक अज्ञात युवक दुकान के अंदर पहुंचा और बड़ी चालाकी से बैग उठाकर बाहर खड़े अपने साथी की बाइक पर बैठकर फरार हो गया। पूरी घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को भनक तक नहीं लग सकी। घटना सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। चोरी की पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वायरल वीडियो में युवक बैग उठाकर तेजी से बाहर निकलते और बाइक सवार साथी के साथ भागते हुए दिखाई दे रहा है।घटना के बाद शिक्षक ने तत्काल स्थानीय लोगों और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस वायरल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी युवकों की पहचान करने में जुटी हुई है।दिनदहाड़े हुई इस चोरी की घटना ने नगर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने बाजार क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक संपन्न

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर के सख्त निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं विकास कार्यों तथा जनहित से जुड़े प्रकरणों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के जिम्मेदारीपूर्वक निराकरण नहीं किए जाने तथा सीएम डैशबोर्ड की केपीआई रिपोर्ट में विभागीय अधिकारियों के असंतोषजनक प्रदर्शन पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी नगरपालिका अधिकारी डिंडौरी एवं शहपुरा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पशुपालन अधिकारी खनिज अधिकारी तथा खाद्य अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।बैठक में पीएम जनमन आवास पीएम धरती आबा आवास ग्रामीण आवास स्वास्थ्य भारत मिशन जल गंगा संवर्धन अभियान अवैध उत्खनन एवं अवैध परिवहन तथा मादक पदार्थों की अवैध बिक्री की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग को निर्देशित किया कि पीएम धन धान्य योजना में पंजीकृत किसानों को विभागीय योजनाओं से प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जाए। उन्होंने राजस्व वसूली नामांतरण बंटवारा सीमांकन तथा अवैध भंडारण संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए राजस्व कर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। परिवहन अधिकारी को लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को अपने अपने अनुभागों में अवैध उत्खनन अवैध परिवहन अवैध भंडारण तथा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यक बस्तियों तथा ग्राम पंचायत तांतर में दो दिवस के भीतर पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में अपर कलेक्टर जेपी यादव एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक डिप्टी कलेक्टर प्रियांशी जैन अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पंकज जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुरूम खदान को लेकर विवाद, जेसीबी मशीन और डंपर वाहन पर हुई कार्यवाही

शहपुरा - डिंडौरी। जिले के बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल अग्रवाल प्रशासन की तानाशाही और प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए तहसील कार्यालय के द्वार पर आंदोलन पर बैठे गए । दरअसल मुरूम खदान के विवाद को लेकर शहपुरा तहसीलदार ने जेसीबी मशीन और डंपर वाहन को जब्त कर लिया जिसके चलते विवाद बढ़ गया ।बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल अग्रवाल ने प्रशासन पर तानाशाही और मनमानी करते हुए जेसीबी मशीन और डंपर जब्त करने का आरोप लगाते हुए प्रताड़ना का आरोप लगाया । गौरतलब है कि बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष कमल अग्रवाल ने बताया कि आवंटित मुरूम खदान से मुरूम निकलने का काम किया जा रहा था उसी दौरान तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर मनमानी ढंग से कार्यवाही करते हुए वाहनों को जब्त किया फिलहाल शहपुरा एसडीएम की समझाइश के बाद आंदोलन से उठे।

जिला जेल डिंडौरी का संयुक्त निरीक्षण

बंदियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश

डिंडौरी। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन में जिला जेल डिंडौरी का संयुक्त निरीक्षण एसडीएम रामबाबू देवांगन और एसडीओपी सतीश द्विवेदी द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान भोजनशाला पुरुष बैरक और महिला बंदी गृह का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों के कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा करते हुए भोजन की गुणवत्ता में और सुधार लाने के निर्देश दिए। जेल परिसर में साफ सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। बैरकों की सघन जांच के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध सामग्री नहीं मिली। बंदियों ने अधिकारियों को बताया कि उन्हें नाश्ता और भोजन अच्छी गुणवत्ता का उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही विषम परिस्थितियों में बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। इस पर संबंधित अधिकारियों ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसडीओपी सतीश द्विवेदी ने बंदियों को जेल में रहते हुए अच्छे कार्य करने पढ़ाई जारी रखने और अच्छा व्यवहार बनाए रखने की समझाइश दी।

आगामी कार्यक्रम को लेकर भाजपा की जिला बैठक संपन्न

डिण्डोरी। भारतीय जनता पार्टी की जिला मासिक बैठक जिला भाजपा कार्यालय में जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम के नेतृत्व में तथा भाजपा राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई।बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इसमें बूथ सशक्तिकरण सदस्यता अभियान जनसंपर्क अभियान एवं केंद्र तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक का शुभारंभ भारत माता पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है जिसकी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को गांव गांव जाकर सरकार की योजनाओं और संगठन की नीतियों को जन जन तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करता है जो पार्टी की सबसे बड़ी पहचान है। संगठन की मजबूती ही भाजपा की सफलता का आधार है।भाजपा राष्ट्रीय मंत्री ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक संगठन नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का माध्यम है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन समर्पण और संगठन की विचारधारा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में देश और प्रदेश निरंतर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तथा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाएं। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत योजना तैयार की गई तथा विभिन्न मंडलों की गतिविधियों की समीक्षा की गई। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन हित में सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुधीर दत्त तिवारी ने किया तथा आभार जिला महामंत्री लक्ष्मण सिंह ठाकुर ने व्यक्त किया।इस अवसर पर जिला महामंत्री बद्री प्रसाद साहू जिला उपाध्यक्ष ज्ञानदीप त्रिपाठी दिलीप ताम्रकार जय सिंह राजपूत इंद्रावती धुर्वे संतोष साहू राजेंद्र दुबे शोभित मरावी महेश धूमकेती जिला मंत्री गणेश सोनवानी नरवरिया मरकाम मालती तिवारी अंजू ब्यौहार सपना जैन जिला कोषाध्यक्ष स्कंद चौकसे जिला कार्यालय मंत्री पवन शर्मा आईटी संयोजक राहुल पांडेय अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष परसराम नागेश किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष घनश्याम कछवाहा सहित मंडल अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिना सामग्री खरीदी लाखों का भुगतान

पंचायत पर फर्जी बिलों से राशि आहरण के आरोप

अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत साम्हर में सीसी सड़क निर्माण कार्य के नाम पर वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आया है। आरोप है कि बिना सामग्री खरीदी और बिना कार्य पूर्ण किए लाखों रुपये का भुगतान कर दिया गया।मामला पोषक ग्राम बिलगांव में कुंवर के घर से प्रताप के घर तक प्रस्तावित सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण से जुड़ा है। इस कार्य के लिए उपयंत्री द्वारा 6.26 लाख रुपये का प्राक्कलन तैयार किया गया था, जिसे 15वें वित्त आयोग मद से तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई थी। दस्तावेजों के अनुसार अगस्त 2025 से फरवरी 2026 के बीच रेत, गिट्टी और सीमेंट सामग्री खरीदी दर्शाते हुए अलग-अलग बिलों के माध्यम से भुगतान किया गया। रिकॉर्ड के मुताबिक कुल 2 लाख 41 हजार 320 रुपये सामग्री खरीदी के नाम पर आहरित किए गए हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि जिन सामग्रियों के बिल लगाए गए हैं, वे मौके पर कभी पहुंची ही नहीं। वहीं निर्माण कार्य भी धरातल पर अधूरा दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत द्वारा सामग्री खरीदी के लिए न तो निविदा जारी की गई और न ही कोटेशन प्रक्रिया अपनाई गई। इसके बावजूद मनमाने दरों पर भुगतान किए जाने से पूरे मामले पर सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने सरपंच और सचिव पर मिलीभगत कर सरकारी राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।मामले ने पंचायत व्यवस्था में पारदर्शिता और निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक संपन्न

डिंडोरी। कलेक्टर अंजू पवन भदोरिया की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार डिंडोरी में जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई तथा कार्यों में धीमी प्रगति पाए जाने पर विभागीय सहायक यंत्रियों और उपयंत्रियों को कड़ी चेतावनी दी गई।बैठक के दौरान नल जल योजना के घरेलू नल कनेक्शन नल जल योजनाओं के हस्तांतरण तथा हर घर जल अभियान की प्रगति की समीक्षा कर आगामी लक्ष्य निर्धारित किए गए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप उपलब्धि नहीं मिलने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई।कलेक्टर ने पीएम गति शक्ति पोर्टल और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों की स्थिति की भी समीक्षा की तथा समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी बैठक में दिए गए।इसके साथ ही कार्य में उदासीनता बरतने वाले सहायक यंत्रियों और उपयंत्रियों के वेतन रोकने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि अब प्रत्येक सप्ताह समीक्षा बैठक आयोजित कर लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।बैठक में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अफजल अमानुल्लाह सहित समस्त सहायक यंत्री एवं उपयंत्री सिविल और मैकेनिकल संकाय उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को विकासखंड नरसिंहपुर के ग्राम मुंगवानी में श्री नारायण वेयर हाउस में बनाए गए गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जन केंद्र में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उपार्जन केंद्र में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता और किसानों के लिए बैठने की व्यवस्था लगातार बनी रहे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने हम्मालों की उपलब्धता, तौल-कांटे की व्यवस्था, टोकन प्रणाली, गोदामों में उपलब्धता के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने बारदाने की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने कहा कि गेहूं उपार्जन केन्द्र में समुचित व्यवस्था रखी जाए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

एसपी ने लौटाए चोरी गए गुल्लक के पैसे

नरसिंहपुर। थाना स्टेशन गंज क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाली चोरी की वारदात का पुलिस ने न केवल खुलासा किया, बल्कि एक भावुक पहल कर बच्ची की खुशियां भी लौटा दीं। पिछले दिनों शातिर चोरों ने एक घर में घुसकर मासूम बच्ची की गुल्लक तोड़कर उनके जमा किए हुए पैसे पार कर दिए थे। इस घटना से बच्ची काफी उदास थी। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा के निर्देशन में स्टेशन गंज थाना टीम ने तत्परता दिखाते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 7 चोरियों का खुलासा किया। सोमवार एसपी कार्यालय में उस वक्त बेहद सुखद नजारा देखने को मिला, जब डॉ. ऋषिकेश मीना ने बच्ची को उसकी गुल्लक के चोरी हुए पैसे के साथ गुल्लक भी वापस सौपी। अपनी मेहनत की बचत वापस पाकर बच्ची के चेहरे पर बड़ी मुस्कान लौट आई। एसपी की इस सहृदयता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की जिले भर में सराहना हो रही है। इस कदम ने जनता के बीच पुलिस की मानवीय छवि को और मजबूत किया है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 13 मई 2026 को नरसिंहपुर जिले के ग्राम मुंगवानी में आगमन होना प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुंगवानी में लाड़ली बहना योजना कार्यक्रम के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित करेंगे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के आगमन को लेकर विभागीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बैठक में कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हेलीपैड एवं सुरक्षा व बैरिकेडिंग व्यवस्था, काष्ट व्यवस्था, विभागीय प्रदर्शनी एवं ब्रांडिंग, प्रतिभाओं का सम्मान एवं सांस्कृतिक व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, विद्युत व्यवस्था, एम्बुलेंस एवं चिकित्सा व्यवस्था, मंच एवं बैठक व्यवस्था, ग्रीन रुम, लोकार्पण व्हीआईपी भोजन व्यवस्था एवं परिचय पत्र शौचालय, फायर बिग्रेड, पेयजल एवं सम्पूर्ण साफ- सफाई व्यवस्था, मीडिया प्रबंधन, फूल माला व्यवस्था, मंच संचालन, हितग्राहियों को हितलाभ वितरण इत्यादि के संचालन के संबंध में निर्देश दिए।

माँ सुखी परिवार की आधारशिला

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस मदर्स डे के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय सेवाकेंद्र तेंदूखेड़ा में मातृशक्ति सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए नई पीढ़ी को माँ के महत्व से अवगत कराया गया। ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी ने कहा कि माँ ईश्वर के द्वारा दिया गया अमूल्य उपहार है। माँ नहीं होती तो संसार नहीं होता। माँ जननी है पालनकर्ता है।

आरक्षक पंकज ने बढ़ाया पुलिस का गौरव

खुशी से परिजनों के छलके आसू, मिला परिवार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पुलिस की कार्रप्रणाली व व्यवहार की चर्चा आए दिन होती रहती है जिसमें सर्वाधिक व्यक्ति पुलिस से पीड़ति व प्रताड़ति होते है इस सभी बातों को सुनकर लोगों द्वारा कहावत बना दी गई कि पुलिस सगे बाप की नही होती। इस कहावत के विपरीत कार्य कर कोतवाली थाने मे पदस्थ आरक्षक ने मानवता व करूणा की वह मिशाल पेश की जिसकी तारीफ नगरवासियों द्वारा जमकर की जा रही है वही विदा लेते समय स्वंय गुम इंसान व उसके परिजनों के भी खुशी के कारण आसू छलक आए। विछड़ कर परिवार वालों को मिलाने मे आरक्षक पंकज ने मुख्य भूमिका निभाई और बिछड़े को परिवार से मिला दिया जिससे लोगों द्वारा कहा जा रहा है कि आरक्षक पंकज ने पुलिस का गौरव बढ़ा दिया।

मामला इस प्रकार

पुलिस की खाकी वर्दी को अक्सर कठोरता का प्रतीक माना जाता है, लेकिन जब इसी वर्दी के पीछे एक संवेदनशील और ममतामयी हृदय धड़कता है, तो वह देवदूत की भूमिका निभाने लगती है। कुछ ऐसा ही नजारा नरसिंहपुर जिले में देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का एक युवक अपनी सुध-बुध खोकर भटकते हुए सात समंदर पार सऊदी अरब से नगर आ पहुंचा। यहां पुलिस थाना कोतवाली नरसिंहपुर में पदस्थ आरक्षक पंकज राजपूत की आत्मीयता ने इस भटकते शख्स को न केवल सहारा दिया, बल्कि बिछड़े परिवार से मिलवाकर इंसानियत की एक नई इबारत लिख दी। कहानी की शुरुआत 24 अप्रैल 2026 को रियाद एयरपोर्ट से होती है, जहां 44 वर्षीय उनसाद पिता समीउल्लाह

मियां को उनकी बिगड़ती मानसिक स्थिति के कारण भारत रवाना किया गया था। वे सऊदी अरब में बतौर ड्राइवर काम करते थे। वे मुंबई एयरपोर्ट पर उतरे तो सही, लेकिन अपने घर गोरखपुर का रास्ता भूल गए। यादों के कोहरे में घिरे उनसाद भटकते-भटकते ट्रेन से भुसावल के रास्ते मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले की गलियों में पहुंच गए। कई दिनों तक वे फटेहाल और बेहाल अवस्था में यहां घूमते रहे, किसी को अंदाजा भी नहीं था कि इस बेसहारा दिख रहे व्यक्ति का कोई अपना उन्हें मीलों दूर बेसब्री से तलाश रहा होगा।

पूछताछ से शुरू हुआ सिलसिला

5 मई का वह दिन उनसाद के लिए नई उम्मीद लेकर आया जब कोतवाली नरसिंहपुर में तैनात आरक्षक पंकज राजपूत की नजर उन पर पड़ी। उनकी दयनीय हालत और आँखों में छिपे खालीपन को देख पंकज ने उनसे बातचीत की कोशिश की। संवाद कठिन था, क्योंकि ठिकाना लगभग भूल चुके थे शुरुआत में संवाद कठिन था, क्योंकि उनसाद अपनी पहचान और ठिकाना लगभग भूल चुके थे। लेकिन आरक्षक ने हार नहीं मानी और एक परिजन की तरह उनकी देखभाल शुरू की। उन्हें भोजन कराया गया, नए कपड़े दिए गए और सबसे महत्वपूर्ण उन्हें श्अपनापनश दिया गया। इसी अपनेपन की आंच ने उनसाद की धुंधली यादों को थोड़ा साफ किया। आरक्षक पंकज ने जब उस नंबर पर कॉल किया, तो दूसरी तरफ हताशा में डूबे परिवार के लिए यह किसी ईश्वरीय संदेश से कम नहीं था। 9 मई को जब उनसाद के बड़े भाई जैश मोहम्मद और भतीजे नरसिंहपुर पहुंचे, तो मिलन का वह दृश्य पत्थर दिल को भी पिघला देने वाला था। अपने भाई को सुरक्षित पाकर परिजनों की आंखें छलक आईं, वहीं अपनों का स्पर्श पाकर उनसाद के चेहरे पर भी सुकून की लहर दौड़ गई। पुलिस की इस संवेदनशीलता ने न केवल एक परिवार को बिखरने से बचाया। समाज में खाकी के प्रति विश्वास को और गहरा कर दिया। अंततः पुलिस ने उसे परिवार के साथ ट्रेन से उनके गृह नगर रवाना किया गया। स्टेशन पर विदाई के वक्त माहौल भावुक था।

एसपी ने किया समर कैंप का शुभारंभ

पुलिस मुख्यालय की पहल एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के 5 से 15 वर्ष तक के बच्चों हेतु 45 दिन के लिए पुलिस लाइन नरसिंहपुर में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इस समर कैंप के माध्यम से बच्चों को खेल, योग, सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर प्रदान किया जाएगा। पुलिस लाइन नरसिंहपुर में आयोजित समर कैंप के दौरान बच्चों को नृत्य, आर्ट एंड क्राफ्ट, मेहंदी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, आर्चरी, स्केटिंग, हॉर्स राइडिंग, बॉक्सिंग, साइक्लिंग सहित विभिन्न खेल एवं रचनात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही महिलाओं हेतु जुम्बा क्लास एवं अन्य मनोरंजक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना एवं डॉ. स्वाति मीना द्वारा पुलिस लाइन नरसिंहपुर में आयोजित समर कैंप का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उन्होंने समर कैंप में शामिल बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया एवं उन्हें खेलों, रचनात्मक गतिविधियों एवं अनुशासन के प्रति प्रेरित किया।

वक्ताओं ने वैचारिक रूप से कार्यकर्ताओं को किया प्रशिक्षित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

भारतीय जनता पार्टी जिला संगठन द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय दिवस वर्ग का प्रारंभ योग अभ्यास एवं व्यायाम से किया गया तत्पश्चात प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता पूर्व विधायक परासिया ताराचंद्र बावरिया ने कार्यकर्ता विकास के विषय पर संबोधित किया अध्यक्षता पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार ने किया द्वितीय सत्र में मुख्यवक्ता प्रदेश सह मीडिया एवं संभाग प्रभारी श्रीकांत श्रीवास्तव ने मीडिया प्रबंधन विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के कार्यक्रमों व कार्यपद्धति की जानकारी जन जन तक पहुंचाने के साथ ही विपक्ष के झूठ का प्रतिकार करने का सशक्त माध्यम समाचार पत्र व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया है अतः पार्टी का मीडिया प्रबंधन इतना मजबूत रहना चाहिए कि हमारे पार्टी के हर छोटी से छोटी घटना एवं कार्यक्रम समय से मीडिया संस्थान तक पहुंचे जिससे वह समय से प्रसारित हो सके प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी सुयश त्यागी ने सोशल मीडिया विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान

समय में सोशल मीडिया की उपयोगिता महत्वपूर्ण है सत्र की अध्यक्षता साईखेड़ा जनपद अध्यक्ष छत्रसाल राजपूत ने की तृतीय सत्र छिंदवाड़ा सांसद विवेक बंटी साहू ने सरकार की गरीब कल्याण की योजनाएं क्रियान्वन में संगठन की भूमिका विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने जन जन को भावनात्मक रूप से छूने के साथ ही उनके जीवन में अमूल चूल परिवर्तन लाया व गरीब के आत्मसम्मान की गरिमा को भी बनाए रखा इन योजनाओं को धरातल में उतारने का काम भाजपा के करोड़ों संघर्षशील कार्यकर्ताओं ने किया है अन्य पार्टी के लोग स्वयं एवं परिवार के हित में सोचते है जबकि भाजपा का कार्यकर्ता स्वयं के हित से पहले संगठन एवं राष्ट्र का हित सोचता है कार्यकर्ताओं की यह भावना उसे अन्य दलों के कार्यकर्ताओं से भिन्न बनाती है यद्यपि देश में हमारी सरकारें नहीं रही लेकिन जब भी हमारी सरकारें बनी बिना भेदभाव के नरसेवा ही नारायण सेवा मानकर गरीब कल्याण की योजनाएं चलाई जिसे हमारे कार्यकर्ताओं ने जमीन पर उतारा और उनकी अथक मेहनत ने सर्वहारा वर्ग को योजनाओं से लाभावित किया अतः आप सभी दायित्ववान एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं के ऊपर सरकार की योजनाओं एवं संगठन की रीति नीति को जन जन तक पहुंचा कर क्रियान्वयन कराने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है जिसे आप पूर्ण मनोभाव से निभाए चतुर्थ सत्र में पूर्व जिला अध्यक्ष मंडला भीष्म द्विवेदी ने भाजपा कार्य पद्धति विषय पर संबोधित किया सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता ठाकुर भूपेंद्र सिंह ने की वर्ग के समापन सत्र में आयोजित डिजिटल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए उक्त जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते नर्मदापुर संसदीय क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल विधायक महेंद्र नागेश विश्वनाथ सिंह पटेल पूर्व विधायक हाकम सिंह चढ़ार प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश प्रताप सिंह पटेल मिनेंद्र डागा जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति ककोड़यि उपाध्यक्ष अनीता ठाकुर नगर पालिका अध्यक्ष सुशील ममार नीरज महाराज विष्णु शर्मा सहित जिला पदाधिकारीगण मंडल के अध्यक्षगण व महामंत्रीगण प्रकोष्ठ संयोजक जनप्रतिनिधि एवं आपेक्षित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही प्रशिक्षण वर्ग का संचालन मुकेश मरैया एवं आभार प्रदर्शन महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा ने किया। सत्र का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। किसानों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिलवाने के संबंध में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियो ने ज्ञापन सौंपा। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को बताया कि हमारा संगठन मुख्यमंत्री के मुंगवानी आगमन पर ज्ञापन देगा। साथ ही कलेक्टर को दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि जिले में गेहूँ उपार्जन खरीद का कार्य मंद गति से चलने के कारण किसान अत्यधिक परेशान है प्रत्येक वेयर हाऊसों में तौल कांटो की संख्या बढ़ाई जावे जिससे समयावधि में गेहूँ उपार्जन का कार्य पूर्ण हो सके।अधिकांश वेयर हाऊसों में स्लाट बुकिंग के बाद वेयर हाऊसों की लिमिट खत्म होने का बहाना

बनाकर किसानों को स्लाट बुकिंग के बाद भी अन्यत्र जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है जबकि स्लाट बुकिंग लिमिट खाली रहने पर ही होती है यह जॉच का विषय है स्लाट बुकिंग होने पर उसी वेयर हाऊस में तौल करवाई जावे। समर्थन मूल्य पर ग्रीष्म कालीन उड़द एवं मूंग उपार्जन हेतु गिरवावली कर पंजीयन करवाया जावे। नरसिंहपुर जिले में लगभग 36000 ट्रॉंर्सफार्मर एवं 100 से अधिक पावर ट्रांर्सफार्मर है जो कि आये दिन जलते रहते हैं जिनको बदलने के लिये जबलपुर से बुलवाये जाते है जिससे एक सप्ताह का समय लग जाता है जिससे फसलों में काफी नुकसान हो जाता है इसलिये नरसिंहपुर में ट्रांसफार्मर एरिया स्टोर बनवाया जाये जिसकी 7-8 वर्ष से मांग की जा रही है। महाकौशल बचई शुगर मिल एवं आर.आर. एग्रो शुगर मिल बडगुवाँ का गन्ना किसानों का लंबित भुगतान अतिशीघ्र करवाया जावे। नरसिंहपुर में प्रस्तावित कृषि उपज मंडी विस्तार कार्य शीघ्र पूर्ण करवाया जावे। विगत 4 वर्ष से भारतीय किसान संघ मांग करता आ रहा है।दिनांक 13 मई को मुख्यमंत्री का दौरा कार्यक्रम मुंगवानी में है जिसमें किसानों से संबंधित समस्याओं का भाकिसंघ द्वारा ज्ञापन दिलवाना सुनिश्चित किया जावे।

प्रतिभावान छात्राओं का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस सामाजिक कार्यों में अग्रसर इनर व्हील क्लब के द्वारा बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले सभी बच्चों का स्मृति चिन्ह देखकर सम्मान किया। कार्यक्रम का प्रारंभ भारती ठाकुर की अध्यक्षता में सरस्वती वंदना से किया गया। इसके उपरांत अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में सभी बच्चों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य के लिए कामनाएं की। इसके उपरांत क्लब मेंबर ने भी उद्बोधन दिए और बच्चों को बताया कि अपनी जिंदगी में मार्ग से भ्रमित ना होते हुए लक्ष्य निर्धारित कर अपनी मंजिल हासिल करें। इसके बाद बच्चों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया साथी बच्चों ने बताया कि उन्होंने इस लक्ष्य को पाने के लिए क्या प्रयास किया और भविष्य में क्या करना चाहते हैं। बच्चों के माता-पिता ने भी बच्चों के बारे में व उनकी मेहनत के बारे में बताया और क्लब अध्यक्ष व सभी सदस्य का आभार व्यक्त किया इस आयोजन के लिए। बच्चों में भी बहुत उत्साह देखने को मिला। बाहर से आए हुए सभी एवं क्लब के सदस्यों का धन्यवाद करते हुए डॉक्टर नेहा ने कार्यक्रम का समापन किया। अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों ने मिलकर अपने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। अध्यक्ष भारती ठाकुर, कोषाध्यक्ष मंजूषा सेन , एडिटर डॉक्टर नेहा नेमा, विंध्या तिवारी, ज्योत्सना राय, प्रियंका जगदाले इन सभी क्लब सदस्यों की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना को लेकर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना की जानकारी देने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को योजना से अवगत कराते हुए प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. प्रभृत्ति सेन ने बताया कि यह योजना 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को पूर्णकालिक शिक्षा अथवा रोजगार में संलग्न नहीं है के लिए है। आवेदन करने हेतु योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक या आई.टी.आई., पॉलीटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा होना आवश्यक है। इसी योजना के अंतर्गत इंटर्नशिप के दौरान हर माह 9000 की वित्तीय सहायता प्राप्त होगी। योग्य उम्मीदवारों को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने का वित्तीय लाभ सहित इंटर्नशिप करने का अवसर प्राप्त होता है। जिसके पश्चात भागीदारी कंपनी के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्राप्त होता है। जो भविष्य में रोजगार प्राप्ति हेतु अत्यंत सहायक होता है। इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को योजना के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ अन्य योग्य उम्मीदवारों को बीच प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रेरित किया गया ताकि जिले के अधिक से अधिक युवा इस योजना से लाभान्वित हो सकें। आयोजन में प्रकोष्ठ सदस्य श्रीमती शिल्पी तिवारी, श्रीमती दीप्ति नेमा, तथा पूर्णिमा पटैल की उपस्थिति रही।

जहां कभी गूंजती थी फोन की घंटियां अब पसरा है सन्नाटा

तेंदूखेड़ा। तहसील मुख्यालय में लाखों रुपए खर्च करके बीएसएनएल ऑफिस निर्माण कराया गया था।विभागीय उदासीनता के चलते भवन जीर्ण-शीर्ण खंडहर स्थिति में तब्दील होता चला जा रहा है।पिछले डेढ़ दशक तक तो इस भवन की परवरिश होती रही लेकिन अब वर्षों से इस भवन का उचित रखरखाव ना होने के कारण दीवारों पर उखड़ता प्लास्टर और जंग खाती शटरें सरकारी पैसे की बर्बादी की दास्तां बयां कर रहा है। इतना ही नहीं इस भवन के साथ इसी परिसर में आवासीय भवन में गंभीर स्थिति में पहुंचते चले जा रहे हैं और अनैतिक गतिविधियों के अड्डे बनते चले जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मुख्य मार्ग के किनारे स्थित इस भवन की विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी कोई उचित व्यवस्था नहीं की है। यदि इस भवन को दूर संचार विभाग यदि उपयोग नहीं कर पा रहा है तो नगर में और भी शासकीय कार्यालय हैं जो किराये के भवन लेकर सरकारी धन का दोहन कर रहे हैं इसी भवन को यदि किराये पर ले

लिया जाये तो राजस्व की आवक और भवन का उचित रखरखाव होता रहेगा। क्षेत्र के युवाओं का कहना है कि एक तरफ जहाँ निजी कंपनियाँ नेटवर्क के नाम पर मनमाने दाम वसूल रही हैं। वहीं सरकारी नेटवर्क का बुनियादी ढांचा होने के बावजूद जनता को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा। विभाग ने ना तो इस ऑफिस को अपग्रेड करने की जहमत उठाई और न ही इसकी सुरक्षा की। अगर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो यह वेशकीमती इमारत पूरी तरह जमींदोज हो जाएगी।

संसाधनों की हो रही बर्बादी- भवन के साथ-साथ अंदर रखी लाखों रुपए मूल्य की मशीनरी और केबिल भी खराब हो रही है। पूर्व में भवन में रखी कुछ सामग्री बेटरी बगैरह भी चोरी जाने या किसी के द्वारा बेच दिये जाने संबंधी जानकारी भी सामने आई थी लेकिन विभागीय स्तर पर आज तक कोई उचित पहल नहीं हो सकी है। सुनसान और बंद होने के कारण परिसर में असामाजिक तत्वों की आवाजाही का डर बना रहता है।

आवासीय परिसर भी जा सकते हैं किराये पर- यहां पर एक और विषय सामने यहां पर यह देखने को मिलता है कि भवन के साथ परिसर में आवास भी सर्व सुविधायुक्त बनें हुए हैं। इनमें शासकीय कर्मचारियों को रियायत दरों पर किराए से आवास मुहैया कराई जा सकती है।आवास के साथ साथ पार्किंग सुविधा भी है और बाउंड्री वॉल भी।

इनका कहना है

भवन के साथ साथ बाउंड्री वॉल भी जर्जर हो चुकी है मेंटनेंस के लिए उसका प्रस्ताव भेजा हुआ है। जहां जहां बी एस एन एल की सेवाएं बंद पड़ी हुई है वहां के भवनों को किराए पर देने की योजना है यदि कोई शासकीय विभाग या निजी क्षेत्र की संस्थायें बी एस एन एल की शर्तों पर रेंट पर लेता है तो संपर्क कर सकते हैं।

विश्वजीत वश्क
आपरेशन एरिया अधिकारी बी एस एन एल नरसिंहपुर